केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 351 सोमवार 15 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

तालाब में मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थानाक्षेत्र स्थित महसो कस्बे में एक 35 वर्षीय युवक का शव रविवार सुबह ग्रामीणों ने देखा। यह शव विजय प्रताप कन्या कालेज गेट के सामने स्थित तालाब में उतराता दिखा। शव मिलने पर महसो कस्बे में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना लालगंज पुलिस को दी।

शव मिलने की सूचना पर एसओ लालगंज और चौकी प्रभारी महसो अपनी टीम के साथ पहुंचे। पुलिस ने तालाब से शव को बाहर निकला। दिन में 11 बजे तक शव की पहचान नहीं हो पाई थी। पुलिस शव की पहचान कराने के लिए आसपास सूचना प्रसारित करा रही है। शव मिलने की सूचना महसो कस्बे में काफी लोग जुटे और शव की पहचान का प्रयास किया।

किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रोटरी क्लब बस्ती मिडटाउन के संयोजन एवं भारत विकास परिषद के सानिध्य में रविवार को जिला चिकित्सालय बस्ती के रक्तदान केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जिला चिकित्सालय बस्ती के प्रमुख अधीक्षक डॉ विकास सोनकर ने फीता काटकर किया।

अध्यक्ष अमितेश श्रीवास्तव, सचिव विवेक वर्मा ने बताया कि रोटरी प्रत्येक वर्ष में चार बार रक्तदान शिविर का आयोजन करती है जिससे हम पूरे वर्ष लोगों की सहायता कर पाते हैं।

शिविर में जहाँ सबसे कम उम्र के रक्तदानी रक्षित अग्रवाल और महिला रक्तदानी के रूप में संगीता यादव रहीं। शिविर में रक्तदान करने वालों में प्रमुख रूप से अशोक पाण्डेय, आशीष, विवेक वर्मा, संतोष सिंह, अमरदीप सिंह, अरुण भनीरामका, पुनीत पाण्डेय, राम प्रताप निषाद, मनोज कुमार, अतुल कुमार शामिल रहे।

कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय बस्ती से डॉ राम जी सोनी नोडल, डा0 दीपक श्रीवास्तव, डा0 अनिल कुमार, डा0 विजय वर्मा, शिवेंद्र, डा0 के के सिंह, डा0 अश्वनी कुमार सिंह, प्रमोद गाडिया, सत्येंद्र पाल सिंह, राजन गुप्ता, मनोज अग्रवाल, डॉ निधि गुप्ता, ई देवेंद्र श्रीवास्तव, डॉ एस के त्रिपाठी, कृष्ण कुमार प्रजापति, अविनाश, मनमोहन काजू उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के संयोजक रो0 मयंक श्रीवास्तव ने सभी रक्तदानियों के प्रति आभार व्यक्त किया और बताया कि रोटरी के द्वारा अगला रक्तदान शिविर 2 अक्टूबर को होगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अंजू सिंह, कीर्ति, आनंद कामिनी सिंह, अनुराधा सिंह, भानु, इमरान, राकेश, अन्नू, संजय, पूजा का सहयोग रहा।

कार ने रौंदा, एक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। लालगंज थानाक्षेत्र के कुदरहा बाजार में अनियंत्रित कार ने सड़क के किनारे खड़े पिता–पुत्र समेत तीन लोगों को रौद दिया। मौके पर आटो चालक पिता अलीरजा (50) की मौत हो गई। घायलों को स्थानीय लोगों ने पीएचसी कुदरहा पहुंचाया, जहां पर डॉक्टर ने अलीरजा को मृत घोषित कर दिया। घायल महेंद्र को सिर में गंभीर चोट लगने के कारण जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अलीरजा के बेटे इम्तियाज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार कलवारी की तरफ से कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खड़े तीनों को रौंदते हुए आगे निकल गई, आसपास मौजूद शोर मचाया।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गोली चलाने वाला हमलावर मारा गया

वाशिंगटन (आभा)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक रैली के दौरान गोली चलाई गई, जिसमें वे बाल–बाल बचे। गोली उनके कान को छूकर निकली। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज में ट्रंप पर अचानक गोली चलती है, जिससे उनके एक कान से खून निकलने लगता है। घटना के बाद हमलावर को मार गिराया गया है और उसकी पहचान भी हो गई है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने बताया है कि हमलावर का नाम थॉमस मैथ्यू क्रूक्स है और उसकी उम्र 20 साल थी। रैली में ट्रंप की सुरक्षा के लिए तैनात किए गए सीक्रेट सर्विसेज ने हमलावर को चंद सेकंड्स के भीतर ही ढेर भी कर दिया। हमलावर थॉमस क्रूक्स पढ़ाई में भी अव्वल था और मैथ्स और साइंस इनिशिएटिव में अवॉर्ड भी जीत चुका था।

इस घटना पर हमलावर क्रूक्स के पिता का भी रिएक्शन आया है। उन्होंने न्यूज चैनल 'सीएनएन' से बातचीत में कहा है कि वह यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर हुआ क्या है। 52 वर्षीय मैथ्यू क्रूक्स ने कहा, 'मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं कि आखिर हुआ क्या था और अपने बेटे के बारे में बात करने से पहले मैं कानूनी एजेंसियों से बात करने तक इंतजार करूंगा।' एफबीआई ने कहा है कि वह हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए काम कर रही है। वहीं, वोटर रिकॉर्ड से पता चलता है कि हमलावर क्रूक्स एक रजिस्टर्ड रिपब्लिकन था। आगामी 5 नवंबर का चुनाव पहली बार होता जब क्रूक्स राष्ट्रपति पद की दौड़ में मतदान करने के लिए पर्याप्त उम्र का होता। क्रूक्स बटलर में गोलीबारी की जगह से लगभग एक घंटे की दूरी पर रहता था। उड्डयन प्रशासन ने रविवार को कहा कि उसने विशेष सुरक्षा कारणों से बेथेल पार्क के ऊपर हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है।

2021 के अमेरिकी चुनाव आयोग की फाइलिंग के अनुसार, जब क्रूक्स 17 वर्ष का था तो उसने एक्टव्ल्यू को 15 अमेरिकी डॉलर का दान दिया था। यह एक राजनीतिक कमेटी है जो वामपंथी और डेमोक्रेटिक नेताओं के लिए पैसा जुटाती है। यह दान प्रोग्रेसिव टर्नआउट प्रोजेक्ट के लिए निर्धारित किया गया था, जो एक राष्ट्रीय समूह है जो डेमोक्रेट्स को वोट देने के लिए रैली करता है। पिट्सबर्ग ट्रिब्यून–रिव्यू के अनुसार, थॉमस क्रूक्स ने साल 2022 में बेथेल पार्क हाई स्कूल से ग्रेजुएशन किया। अखबार के अनुसार, उसे नेशनल मैथ एंड साइंस इनिशिएटिव से 500 डॉलर का स्टार अवॉर्ड भी मिला था।

साल 2022 के स्नातक समारोह के वीडियो में क्रूक्स को कुछ तालियों के बीच अपना डिप्लोमा प्राप्त करते हुए दिखाया गया है। ऑनलाइन पोस्ट किए गए उस समारोह के वीडियो में क्रूक्स को काले रंग के ग्रेजुएशन गाउन में चश्मा पहने और एक स्कूल अधिकारी के साथ पोज देते हुए दिखाया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि क्रूक्स शूटिंग स्थल पर कोई पहचान पत्र नहीं लेकर गया था और उसे अन्य तरीकों का उपयोग करके पहचाना जाना था। एफबीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'हम अभी तस्वीरें देख रहे हैं और हम उसका डीएनए और बायोमेट्रिक प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।'

रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर ने शुरू किया मोहल्ला क्लीनिक, रोपे पौध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सबको स्वास्थ्य के बड़े उद्देश्य को लेकर रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर द्वारा नए सत्र में रैपुरा बनकटा स्थित एक क्लिनिक पर रोटरी साप्ताहिक मोहल्ला क्लिनिक की शुरूआत किया गया। यह क्लिनिक प्रत्येक रविवार को चलेगा। उदघाटन क्लब के संरक्षक प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव जी ने किया। मोहल्ला क्लिनिक का संचालन रोटेरियन डा. श्याम नरायन चौधरी के नेतृत्व में चलेगा।

क्लब प्रोजेक्ट चेयरमैन रो. प्रतिभा गोयल ने बताया कि रोटरी इन्टरनेशनल के तहत तीन कार्यक्रम इस माह किये जायेगें जिसमें सबसे पहले वृक्षारोपण, स्वास्थ्य, शिक्षा पर आधारित होंगे। क्लिनिक के परिसर में 5 पौध रोपे गये और आगन्तुकों में पौधों का वितरण किया गया।

क्लब ट्रेनर रो. डा. वी के वर्मा ने बताया कि क्लब स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और रक्तदान के क्षेत्र में निरन्तर कार्यरत हैं और आगे भी यह क्रम जारी रहेगा ।

इस अवसर पर अध्यक्ष रोटेरियन अशोक कुमार शुक्ला, सचिव, किशन कुमार गोयल, राम दयाल चौधरी, धनन्जय शुक्ला, डॉ आलोक रंजन चौधरी, कमला देवी, राजेश्वरी देवी आदि उपास्थित रहें।

भाई के पत्नी का हत्यारोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जमीनी विवाद में भाई के पत्नी को मौत के घाट उतारने वाला आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया। 12 जुलाई को गोंडा के छपिया थाना क्षेत्र के ग्राम सिसई रानीपुर निवासी बजरंगी ने पुलिस को सूचना दी कि उनकी पत्नी को उनके बड़े भाई रामअवतार कुल्हाड़ी से हमला कर मार डाला। बजरंगी की तहरीर पर केस पंजीकृत किया गया।

थाना छपिया पुलिस टीम हत्यामियुक्त रामऔतार उर्फ खुड़बुड़ को बस्ती के बभनान रेलवे क्रासिंग के पास से गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद किया। पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि आरोपी वर्ष 2003 में हत्या के मुकदमें में जेल गया था। 2019 में जेल से छूट कर आया था। इस बाबत थानाध्यक्ष छपिया कृष्ण गोपाल राय ने बताया कि हत्या आरोपी को गिरफ्तार कर भेज भेज दिया गया है।

भाजपा प्रदेश कार्य समिति की बैठक में नेताओं ने दिया संदेश: बैकफुट पर आने की जरूरत नहीं

लखनऊ (आभा)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा हमारे कंधों पर जो जिम्मेदारी है वह कोई मौसमी नहीं है, कोई सीजनल नहीं है, वह जिम्मेदारी सदा सदा निरंत हमारे कंधो पर है। तीसरी बार मोदी सरकार को समर्थन मिलना इसका प्रमाण है। उन्होने कहा, 2047 में विकसित भारत बनाकर दिखाना है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी भविष्य की पार्टी है। इसको संभाल के चलना ये हमारी जिम्मेदारी है। लखनऊ में भाजपा कार्यसमिति की बैठक में बोलते हुए जेपी नड्डा ने कहा, भाजपा भविष्य की पार्टी है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, हम पोस्टमैन नहीं हैं और न ही आपकी बात को आगे बढ़ाने वाले हैं, हम परिस्थितियों के साथ चलने वाले लोग हैं। नेता और कार्यकर्ता एक हैं जो नेता होता है वह पहले कार्यकर्ता होता है। भाजपा का हर कार्यकर्ता चौलेंज को एक्सेप्ट करके बढ़ने का काम करता है।

नड्डा ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा, उन्होंने कहा, देश में आज 1500 पार्टियां हैं जो अधिकतर परिवारवादी हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा, 13 राज्यों में कांग्रेस पार्टी जीरो पर रही है। उन्होंने कहा, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में 64 सीटों पर सीधी लड़ाई हुई जिसमें से कांग्रेस को केवल दो सीटें मिली हैं। अन्य दलों के साथ जहां कांग्रेस चुनाव लड़ी है वहां इसका स्ट्राइक रेट 50 प्रतिशत है। कांग्रेस अपने वोट पर खड़ी नहीं है वह दूसरे के वोटों पर निर्भर है। संविधान वाले मुद्दे पर भी नड्डा कांग्रेस को जमकर घेरा। उन्होंने कहा, कांग्रेस संविधान और प्रजातंत्र की हत्या करने वाले लोग हैं। कांग्रेस ने बार–बार संविधान पर हमला बोला है। ये लोग संविधान की हत्या करने वाले लोग हैं। नड्डा ने कहा, आपके बीच होना मेरा शौभाग्य है। हमारी पार्टी देश में हर जगह मौजूद है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को किसी भी स्थिति में 'बैकफुट' पर आने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आपने अपना काम बखूबी किया है। रविवार को यहां डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के आंबेडकर सभागार में आयोजित भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की एक दिवसीय बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आप विपक्ष में थे तो जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए संघर्ष करते थे, अब जब सरकार में हैं तो उत्तर प्रदेश में सुरक्षित वातावरण देख रहे हैं। याद कीजिए मोहर्रम के समय में सड़कें खाली हो जाती थीं और आज जब मोहर्रम होता है तो पता भी नहीं चलता। इससे पहले उन्होंने हाल के लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपेक्षित सफलता न मिलने की वजहों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब हम आत्मविश्वास में होते है कि हम तो जीत ही रहे हैं तो स्वाभाविक रूप से कहीं न कहीं हमें खामियाजा भुगतना ही पड़ता है। प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटों में भाजपा को इस बार सिर्फ 33 सीट पर जीत मिली जबकि विपक्षी समाजवादी पार्टी ने 37 और उसकी सहयोगी कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की।

भाजपा के सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल को दो और अपना दल (एस) को सिर्फ एक सीट पर जीत मिली जबकि अकेले मैदान में उतरे आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद नगीना सीट पर जीत गये। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का खाता भी नहीं खुला। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार हुई प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में नसीहत भरे अंदाज में योगी ने कार्यकर्ताओं को कहा कि भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014, 2017, 2019 और 2022 में भारी सफलता प्राप्त कर विपक्ष को उसकी वास्तविक स्थिति में पहुंचाने का कार्य किया और लगातार उस पर दबाव बनाये रखा।

उन्होंने कहा, कोई संदेह नहीं कि 2014, 2017, 2019 और 2022 में (लोकसभा और विधानसभा चुनावों में) जितना मत प्रतिशत भाजपा का रहा, 2024 में भी आप सभी कार्यकर्ताओं के संघर्ष से, मोदी जी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के नेतृत्व में भाजपा उतने वोट पाने में सफल रही, लेकिन वोट इधर–उधर होने से सीटों पर हार जीत तय होती है। ऐसे जब हम आत्मविश्वास में होते कि हम तो जीत ही रहे हैं तो स्वाभाविक रूप से कहीं न कहीं हमें खामियाजा भुगतना ही पड़ता है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, जो विपक्ष चुनाव के पहले हिम्मत हार कर बैठ गया था, वह आज फिर उछल कूद कर रहा है। अपनी सरकार की कानून–व्यवस्था की उपलब्धियां गिनाने के साथ ही योगी ने कहा कि 2022 के चुनाव के बाद विपक्ष उछल कूद करने लगा और मारपीट पर उतारु हो गया लेकिन वास्तव में हमारी सरकार के माफिया मुक्त अभियान में आप सबके सहयोग से प्रदेश को गुंडों और माफिया से मुक्त करने में सफलता प्राप्त हुई। उन्होंने समाजवादी पार्टी की सरकारों के दौरान दलितों, महापुरुषों के अपमान, आरक्षण में भेदभाव और संविधान की अवहेलना करने का आरोप लगाया।

बिजली गिरने से यूपी में 43 बिहार में 21 लोगों की मौत

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में आकाशीय बिजली गिरने से शनिवार को 43 लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार को बिहार में ऐसी ही घटनाओं में 21 लोगों की मौत हुई थी। ऐसे में हर किसी के मन में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर बिजली गिरने की घटनाओं में अचानक तेजी क्यों आ गई? सीनियर वैज्ञानिकों ने इस तरह के सवालों का जवाब दिया है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मी बढ़ती जा रही है। इसके चलते दुनिया भर में गरज के साथ छीटें पड़ने की गतिविधियां बढ़ी हैं। यही वजह है कि आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव माधवन नायर राजीवन ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण गरज वाले बादलों का बनना बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 'यह दर्ज किया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण भारत सहित हर जगह मेघगर्जन की आवृत्ति बढ़ रही है।' नायर ने कहा कि दुर्भाग्य से, हमारे पास बिजली चमकने की घटनाओं में वृद्धि की पुष्टि करने के लिए दीर्घकालिक आंकड़े उपलब्ध नहीं है। हालांकि, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग से ऐसी गतिविधि बढ़ जाती है। ऐसे में अधिक गरज के साथ बारिश होती है और आकाशीय बिजली गिरती है। उन्होंने बताया कि बिजली बड़े ऊर्ध्वाधर विस्तार वाले गहरे बादलों के कारण चमकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण हवा की नमी धारण करने की क्षमता बढ़ रही है, जिससे ऐसे बादल अधिक बन रहे हैं।

मोहित यादव अपहरण के विरोध में सपा ने दिया धरना: 4 गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। एसपी के 12 घंटे की समय सीमा समाप्त होने पर समाजवादी पार्टी के सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव के नेतृत्व में रुदौली विधायक राजेंद्र चौधरी के साथ कार्यकर्ता शास्त्री चौक पर अनशन पर बैठ गए । भारी पुलिस फोर्स के साथ प्रशासन विधायक को मनाने में जुटा रहा। सपा कार्यकर्ताओं की मांग है कि अपहृत मोहित यादव की जल्द से जल्द बरामदगी की जाए. सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव ने आरोप लगाया है कि सत्ता शासन के दबाव में पुलिस काम कर रही है और दबंगों को बीजेपी का संरक्षण प्राप्त है।

छात्र मोहित यादव अपहरण कांड में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पुष्टि पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने की है। उन्होंने बताया कि आरोपितों से पूछताछ में यह बात पता चल गई है कि मोहित यादव का अपहरण क्यों किया गया है। वहीं, अब पुलिस का एकमात्र टारगेट मोहित के सकुशल बरामद करना है। जिसके लिए पुलिस की अलग–अलग टीम काम कर रही हैं। जल्द ही मोहित यादव को भी तलाश लिया जाएगा।

46 साल बाद खोला गया जगन्नाथ मंदिर का खजाना

भुवनेश्वर (आभा)। ओडिशा सरकार के निर्देश पर जगन्नाथ मंदिर के खजाने यानी रत्न भंडार को रविवार को 46 साल बाद एक बार फिर खोला गया। इस खजाने में मौजूद जेवरात और अन्य कीमती सामानों की सूची तैयार होगी. कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि दुनियाभर में रह रहे भगवान जगन्नाथ के भक्तों को काफी समय से इस पल का इंतजार था. आभूषणों की क्वालिटी की जांच होगी और कीमती सामानों का वजन किया जाएगा. इस दौरान मेडिकल टीम और स्नेक हेल्पलाइन मौजूद रही।

इस खजाने के कीमती सामानों की सूची की निगरानी के लिए राज्य सरकार ने समिति बनाई है। इस समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ ने कहा कि जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार खोला गया. ओडिशा हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ने कहा कि जिस स्थान पर कीमती सामान अस्थायी रूप से रखा जाएगा, वह भी तय है।

मंदिर परिसर में मेटल डिटेक्टर के साथ पुलिस की गाड़ियां और स्नेक हेल्पलाइन टीम मौजूद रही. रत्न भंडार समिति ने भी उच्च स्तरीय बैठक की थी।

मंदिर में स्नेक एक्सपर्ट रहे. मंदिर के रत्न भंडार के खजाने के लिए बड़े ट्रंक बॉक्स लाए गए. इस मौके पर एसपी पिनाक मिश्रा पुलिस बल के साथ मौजूद रहे. पुजारी माधव पूजा पंडा सामंत भी रहे।

कांग्रेस से हटाये जायेंगे निष्क्रिय पदाधिकारी–महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी आरटीआई विभाग के प्रदेश महासचिव एवं बस्ती गोरखपुर मण्डल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर हुई प्रदेश की बैठक से लौटकर बताया कि निष्क्रिय पदाधिकारी हटाये जायेंगे और उनके स्थान पर नये निष्ठावान लोगों को मौका दिया जायेगा। 13 सीटों पर हुये उप चुनाव में कांग्रेस और इण्डिया गठबंधन को 10 सीटों पर मिली जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या के बाद बद्रीनाथ में इण्डिया गठबंधन और कांग्रेस को मिली जीत से स्पष्ट है कि भाजपा के दिन अब लदने वाले हैं। कहा कि अहंकार के दिन लम्बे नहीं होते, बद्रीनाथ से कांग्रेस की जीत राजनीति के नये युग का संकेत है। दावा किया कि महाराष्ट्र, झारखण्ड और बिहार राज्य में होने वाले चुनाव और उत्तर प्रदेश के उप चुनाव में भी मतदाता भाजपा को नकारने का मन बना चुके हैं। राजनीति में अब मुद्ददे चलेंगें, नफरत की राजनीति नहीं।

कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, प्रदेश उपाध्यक्ष विश्व विजय सिंह और आरटीआई विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव के साथ ही अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजदूबी में संगठन को प्रभावी बनाने, आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विचार किया गया। महेन्द्र श्रीवास्तव ने बैठक में मुद्ददा उठाया कि जिन जनपदों में कार्यवाहक अध्यक्ष है उन्हें पूर्ण दायित्व सौंपा जाय या नये अध्यक्ष की घोषणा की जाय। प्रदेश अध्यक्ष ने इस दिशा में शीघ्र पहल का आश्वासन दिया।

कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि अति शीघ्र कांग्रेस अपना पुराना गौरव हासिल कर लेगी, देश और उत्तर प्रदेश के मतदाता अब भाजपा के झांसे में आने वाले नहीं हैं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 जुलाई 2024 सोमवार

सम्पादकीय

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला

अमेरिका में इन दिनों चुनावी बयार बह रही है। चुनावी प्रचार, जनसभाओं और रैलियों का दौर तेज है। शनिवार को ऐसी ही एक रैली में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीबारी हो गई। हालांकि हमले में ट्रंप बाल–बाल बच गए और एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई। फिलहाल वे सुरक्षित हैं। इस हमले में हमलावर और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।अमेरिकी इतिहास को खंगाले तो ये पहली बार नहीं है जब किसी राष्ट्रपति या पूर्व राष्ट्रपति पर हमला किया गया हो। अमेरिका में ऐसे राष्ट्रपतियों की लंबी सूची है जिन पर गोली चलाई गई।

अमेरिका में इस तरह का सबसे पहला हमला सन 1835 में हुआ था। तब एक व्यक्ति ने तत्कालीन राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन को मारने की असफल कोशिश की थी। घटना के वक्त जैक्सन एक अंतिम संस्कार में भाग लेने गए थे। तब उनपर दो बार फायरिंग की गई थी। हालांकि हवा में नमी के कारण दोनों बार बंदूक मिसफायर हो गई।

किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति की हत्या का पहला सफल मामला 1865 में सामने आया। जब वहां गृहयुद्ध खत्म होने के बाद वाशिंगटन डी.सी. के फोर्ड थिएटर में एक प्रस्तुति के दौरान नाटक के अभिनेता और जॉन विल्क्स बूथ ने उनके सिर के पीछे गोली मार दी थी। इसके बाद बूथ घटनास्थल से भाग गया और जब कुछ हफ्तों बाद वर्जीनिया में उसे पकड़ लिया गया तो उसे गोली मार दी गई। गोली लगने के 12 घंटे के अंदर ही लिंकन की मौत हो गई थी।

इसके बाद इस तरह की दूसरी घटना जेम्स गारफील्ड के साथ हुई। साल 1881 में जुलाई माह में जब वे वाशिंगटन डी.सी. के एक रेलवे स्टेशन पर थे तब उनको गोली मार दी गई थी। हालांकि उनकी मौत तब नहीं हुई लेकिन वे ज्यादा दिन जिंदा नहीं रह सके और हमले के घावों के कारण कुछ महीनों बाद सितंबर में न्यू जर्सी में उनकी मौत हो गई। गारफील्ड को गोली मारने वाला उनका ही एक पूर्व समर्थक चार्ल्स गुइटो था जो मानसिक बीमारी से पीड़ित था और गारफील्ड के प्रशासन में नौकरी नहीं मिलने से नाराज था। गुइटो को दोषी ठहराया गया और वर्ष के भीतर फांसी दे दी गई।

अमेरिकी इतिहास के पन्नों में इस तरह का तीसरा मामला 1901 में विलियम मैककिनले की हत्या के रूप मे दर्ज है। उन्हें उनके दूसरे कार्यकाल के छह माह बाद एक सार्वजनिक प्रदर्शनी में जब वे जनता से मिल रहे थे, तब गोली मार दी गई थी। हमले के एक सप्ताह बाद ही उनकी मौत हो गई।

अमेरिका में जिस चौथे राष्ट्रपति की हत्या की गई वे जॉन एफ. कैनेडी थे। उन्हें एक पूर्व नौसैनिक ली हार्वे ओसवाल्ड द्वारा गोली मार दी गई थी। स्नाइपर ओसवाल्ड ने नवंबर 1963 में डलास में एक पब्लिक कार रैली के दौरान जब कैनेडी एक खुली छत वाली लिमोसिन में सवार थे तब पास के गोदाम की छठी मंजिल से गोली मारी थी। ओसवाल्ड सोवियत समर्थक था, उसे हमले के कुछ दिनों बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

वहीं, ट्रंप की तरह ही जब 1912 में पूर्व राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए चुनावी अभियान में लगे थे तब मिल्वौकी में एक भाषण के लिए जाते समय एक सैलून संचालक ने उन्हें गोली मार दी थी। हालांकि वे इस हमले में बच गए थे। गोलीबारी के बावजूद उन्होंने भाषण दिया। वहीं, 1933 में मियामी में फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट पर हमला किया गया था। रूजवेल्ट की मृत्यु के बाद राष्ट्रपति पद संभालने वाले हैरी ट्रूमैन को 1950 में प्यूर्टो रिकान राष्ट्रवादियों द्वारा व्हाइट हाउस के सामने गोली मार दी गई थी।

वहीं, 1972 में अलबामा के गवर्नर जॉर्ज वालेस तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार में लगे थे , को वाशिंगटन डीसी के बाहर गोली मार दी गई थी। हमले के कारण उनकी कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया था। वहीं, सितंबर 1975 में राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड पर कैलिफोर्निया में दो बार हमला किया गया। हालांकि वे दोनों बार सुरक्षित बच गए। वहीं, 1981 में राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर भी वाशिंगटन डीसी में हिल्टन के बाहर हमला किया गया था। इस हमले में उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी, रीगन की तुलना में अधिक गंभीर रूप से घायल हुए थे। वहीं, 2005 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश पर भी जब वे जॉर्जिया के तिबिलिसी में भाषण दे रहे थे तब हमला किया गया था। इस घटना में उनके मंच पर ग्रेनेड फेंका गया था। हमले में भले ही ग्रेनेड के पिन को हटा दिया गया था, लेकिन उसे छिपाने के लिए ग्रेनेड के चारों ओर लपेटा गया रूमाल इतना जोर से बांधा गया था कि लीवर अलग नहीं हो सका। इस हमले में कोई भी घायल नहीं हुआ। बहरहाल पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जान लेवा हमले की घटना दुःखद है। अच्छा हो कि भविष्य में इस प्रकार के घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने पाये।

रूस और ऑस्ट्रिया की यात्राओं के निहितार्थ

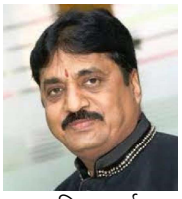

–ललित गर्ग–

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा के निष्कर्षों के साथ–साथ इसके वैश्विक निहितार्थ भी तलाशे जा रहे हैं। इन दोनों देशों की राजकीय यात्रा अनेक दृष्टियों से नई उम्मीदों को पंख लगाने के साथ भारत को शक्तिशाली बनाने वाली होगी। दोनों देशों की यात्रा के दौरान हुए विभिन्न समझौते भारत की तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। सैन्य उत्पाद, व्यापार व उद्योग के साथ–साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रूस और ऑस्ट्रिया के साथ द्विपक्षीय सहयोग ने नई उम्मीदें जगाई हैं। इन यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री ने जो प्रयास किए वे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता के प्रयास, नये भारत–सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे। निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इन दोनों देशों में जो सम्मानभावना देखने को मिली, उससे यही कहा जा सकता है कि मोदी विश्व–नेता के रूप में स्वतंत्र पहचान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं, जो भारत के लिये शुभ है।

निश्चित तौर पर वैश्विक राजनीति में अपनी चमक के साथ आगे बढ़ते भारत के लिये रूस की यात्रा कई मायनों में बहुत उपयोगी एवं दूरगामी रही। इस यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच हुई 22वीं द्विपक्षीय बैठक में हुए नए समझौते काफी अहम हैं। रूस के युद्ध में फंसे होने के कारण रक्षा जरूरतों से संबंधित आपूर्ति में बाधा होना हमारे लिए चिंता की बात थी लेकिन मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही रक्षा उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स का प्लांट लगाने पर सहमति जताकर पुतिन ने बड़ी चिंता का समाधान कर दिया है। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2030 तक 65 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने पर भी सहमति बनी है। यह भारत–रूस के विशेष रिश्ते को और मजबूत करने वाले होंगे। भारत–रूस की दोस्ती की गर्माहट से चीन एवं पाकिस्तान की बौखलाहट भी देखने को मिली है।

यूक्रेन और गाजा में युद्धों की पृष्ठभूमि के बीच प्रधानमंत्री मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पर दुनिया की नजरें लगी रही। एक ध्रुवरीय विश्व व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहे अमरीका और बहुध्रुवरीय विश्व व्यवस्था में अपना हित देख रहे रूस के बीच भारत की स्थिति एवं उसकी बढ़ती ताकत का भी विश्लेषण किया जा रहा है। मास्को में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने पर यूक्रेन की नाराजगी के बावजूद अमरीका की सधी प्रतिक्रिया सामने आयी कि इससे उसके भारत से रिश्तों पर कोई असर नहीं होगा। निश्चित ही इससे यह साफ हो जाता है कि दुनिया अब एक या दो ध्रुवरीय नहीं रही। अमेरीका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है। वास्तव में इस आवश्यकता ने भी अमेरीका में भारत की अहमियत बढ़ाने का काम किया है। यह अहमियत यही बता रही है कि अब भारत का समय आ गया है। वास्तव में आज अमेरीका ही नहीं, विश्व का हर प्रमुख देश भारत को अपने साथ रखना आवश्यक समझ रहा है। कहना न होगा कि वैश्विक मंच पर योग का विषय हो, या अहिंसा का या फिर आतंकवाद से निपटने का, जलवायु परिवर्तन का मसला हो या फिर जी–20 देशों की अध्यक्षता की बात, भारत, दुनिया को नई दिशा दे रहा है, नई उम्मीदें जगा रहा है।

एक नई ताकत एवं सशक्त अर्थ–व्यवस्था के साथ एक नया ध्रुव बनकर उभर रहा भारत समूची दुनिया की नजरों का ताज बना हुआ है। भारत अब बिना किसी दबाव के किसी भी अन्य ताकतवर देश की नाराजगी मोल लेने का हौसला रखता है। शीतयुद्ध के दौर में दो ध्रुवरीय विश्व व्यवस्था के बाद एक धुवीय व्यवस्था का अनुभव दुनिया को मिल चुका है। अब बहुध्रुवरीय विश्व व्यवस्था में ही संभावनाएं देखी जा रही हैं। ग्लोबल साउथ की आवाज बन भारत वैश्विक भूमिका को खुलकर प्रदर्शित भी कर रहा है। वैसे भी भारत एक बड़े देश के पाले में कभी नहीं रहा। अनेक संकटों से घिरा होकर भी भारत अपनी बात बुलन्दी के साथ दुनिया के सामने रखता रहा है, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के तीनों कार्यकाल में भारत ने अपने शक्तिशाली होने का भान कराया है।

भारत की रूस से दोस्ती तो बहुत पुरानी है, लेकिन अमेरिका, ऑस्ट्रिया या अन्य नए देशों से दोस्ती का यह मतलब नहीं है कि अपने पुराने साथियों से दूर हो जाएं। इजरायल और फिलिस्तीन के मामले में भी यह देखा जा सकता है। इजरायल से नई दोस्ती के बावजूद फिलिस्तीन पर हमारी रणनीति नहीं बदली है। उसी तरह रूस से अच्छे संबंध का यह मतलब नहीं कि यूक्रेन के मामले में उसे क्लीन चिट दे दें। यही वजह है कि राष्ट्रपति पुतिन को मोदी ने शांति का पाठ पढ़ाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। भारत की इस भूमिका के बीच अब अमरीका भी यह कहने में संकोच नहीं कर रहा है कि भारत को यूक्रेन युद्ध रोकने की पहल करनी चाहिए। फिलहाल शांति के पक्षधर अन्य देश भारत के साथ मिलकर रास्ता खोजने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रिया का रूस और यूक्रेन के बीच संभावित समझौता वार्ता का मंच बनने की इच्छा जाहिर करना यही बताता है।

भारत अहिंसा एवं शांति का हिमायती का देश है और मानता है कि युद्ध से किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता। युद्ध केवल बर्बादी और तबाही लेकर ही आता है। रूस व यूक्रेन के बीच जो सीमा विवाद है वह इन देशों के बीच का मामला है और भारत शुरू से ही कहता रहा है कि इस समस्या का हल केवल बातचीत से ही होना चाहिए। नरेंद्र मोदी ने रूस की यात्रा के दौरान भी भारत का यही रुख सामने रखा और स्पष्ट किया कि किसी भी झगड़े को निपटाने का रास्ता केवल वार्तालाप ही हो सकता है। नरेंद्र मोदी ने रूस से आस्ट्रिया पहुंच कर भी इस रुख को और खोला और कहा कि भोले–भाले लोगों की हत्या कभी भी स्वीकार्य नहीं हो सकती। इजराइल–फिलिस्तीन युद्ध के सन्दर्भ में इस तथ्य को अमेरिका को ही सबसे पहले समझना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा से क्या चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं पर असर पडेेगा? क्योंकि रूस एवं चीन के बीच बढ़ती मित्रता एवं प्रगाढ़ता समूची दुनिया के लिये एक चिन्ता का सबब है। भले ही अमरीका की ताकत को देखते हुए रूस ने चीन से निकटता बनाई हो, लेकिन भारत से उसकी दोस्ती इन सबसे ऊपर है। फिर भी चीन एवं पाकिस्तान भारत के दुश्मन ही रहे हैं। इन हालातों के बीच मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया यात्रा भारत के भाग्य के लिए नये सूर्य का उदय कही जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की जितनी महत्वपूर्ण यात्रा रूस की रही, उतनी ही महत्वपूर्ण ऑस्ट्रिया की यात्रा भी रही। मोदी ने पाकिस्तान के साथ चीन को भी निशाने पर लेते हुए पुतिन से कहा कि चीन जहां पाकिस्तान के आतंकवाद को सहयोग–समर्थन और संरक्षण देने से बाज नहीं आ रहा है, वहीं चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए खतरा बन गया है। अब मोदी की इन बातों का पुतिन पर क्या असर होगा, यह भविष्य के गर्भ में है।

जहां तक रूस से मित्रता का सवाल है तो यह भारत का परखा हुआ सच्चा मित्र है और भारत यह दोस्ती कभी नहीं छोड़ सकता। पिछले दो दशकों में हमारे सम्बन्ध अमेरिका से भी मधुर हुए हैं परन्तु हमारी विदेश नीति पूरी तरह स्वतन्त्र है और दुनिया का कोई भी देश इसे प्रभावित नहीं कर सकता। भारत के द्विपक्षीय सम्बन्ध किस देश के साथ कैसे हैं यह केवल भारत ही तय करेगा। अमेरिका हमें रूस–यूक्रेन के बारे में क्या समझायेगा? भारत पर दुनिया का बढ़ता भरोसा इस बात का परिचायक है कि भारत विश्व की एक महाबड़ी शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और भारत शांति एवं अयुद्ध का हिमायती है। हम तो पहले ही यह कह चुके हैं कि भारत बुद्ध–महावीर–गांधी का देश है और इसकी विदेश नीति भी इनसे प्रेरणा लेकर ही तय होती रही है। बदलते वैश्विक सन्दर्भों के बावजूद भारत आपसी शान्ति, अहिंसा, युद्धमुक्त विश्व–संरचना व सह अस्तित्व पर ही विश्वास रखता है। दुनिया की महाशक्तियों द्वारा भारत को तवज्जो देने के पीछे जिन वजहों को देखा जा रहा है, उनमें व्यापारिक प्रगति के साथ शांति एवं अमन–चौन की दुनिया बनाना भी मुख्य है। निश्चित ही मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया यात्रा भारत के लिये 'सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण घटना' एवं 'परिवर्तनकारी क्षण' साबित होगा।

बीच बहस में आपातकाल

–योगेश प्रताप सिंह–

आपातकाल के दौरान विपक्षी नेताओं की सामूहिक हिरासत को देखते हुए, निवारक नजरबंदी की बुराई से निपटने के लिए संविधान के अनुच्छेद 22 में महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय जोड़े गए (संविधान 44वें संशोधन अधिनियम, 1978 की धारा 3)। उसका पहला अनुभाग यह था कि किसी भी निवारक निरोध अधिनियम के तहत हिरासत की अवधि 3 महीने से घटाकर 2 महीने कर दी गई, दूसरा, स्टोरी बोर्ड ने 2 महीने की समाप्ति से पहले हिरासत की अवधि को 2 महीने से अधिक बढ़ाने के लिए अपनी राय दी और तीसरा, सलाहकार बोर्ड की संरचना को निर्दिष्ट किया गया था ताकि वास्तविक अभ्यास में बाधा डालने वालों के लिए कानून के नियम को सुनिश्चित किया जा सके, ताकि न्याय को दिया ही नहीं जाए बल्कि निवारक नजरबंदी के मामले में ऐसा किया जाए।

आपातकाल की दर्दनाक घटना को नागरिकों की स्वतंत्रता और अधिकारों की हमेशा रक्षा करने में लोकतांत्रिक संस्थानों की जिम्मेदारी की याद दिलानी चाहिए। 25 जून 1975 को, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति घोषित करने की सलाह दी। इसने 21 महीने की अवधि की शुरूआत को चिह्नित किया जो भारत की स्वतंत्रता के बाद के राजनीतिक इतिहास में सबसे विवादास्पद और काले अध्यायों में से एक है। नागरिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का निलंबन, सरकारी कार्यों में मनमानी और अन्य उपायों के अलावा कठोर न्यायिक हिरासत कानूनों के तहत विपक्षी नेताओं और असंतुष्टों की अंधाधुंध गिरफ्तारियां आज भी हमें परेशान कर रही हैं।

1975–77 के आपातकाल में ऐसे संशोधन भी देखने को मिले, जिन्होंने संवैधानिकता की भावना को ठेस पहुंचाई। नागरिकों को उम्मीद थी कि शीर्ष अदालत इस अंधेरे समय में हस्तक्षेप करेगी लेकिन उसने इसके बजाय इंदिरा गांधी की निरंकुश प्रवृत्ति के आगे घुटने टेक दिए। ए.डी.एम. कोर्ट में जबलपुर बनाम शिवाकांत शुक्ला (ए.आई.आर. 1976 एस.सी. 1207) एक गंभीर आलोचना वाला मामला था, जिसमें कहा गया था कि स्वतंत्रता के अधिकार सहित कुछ मौलिक अधिकार, कार्यपालिका की आपातकाल की घोषणा के बाद भी टिक नहीं पाए। उस फैसले ने शीर्ष अदालत के सम्मान को और भी कम करने का काम किया। इस प्रतिकूल अनुभव से सबक लेते हुए, नवगठित संसद ने 30 अप्रैल 1979 को संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए 44वां संशोधन पारित किया।

यह संशोधन एक प्रमुख संवैधानिक बदलाव था, जिसे जनता पार्टी सरकार ने 42वें संशोधन के माध्यम से 1975–77 के आपातकाल के दौरान किए गए प्रतिगामी संवैधानिक परिवर्तनों को पूर्ववत करने और भविष्य की सरकारों द्वारा सत्ता के इसी तरह के दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा उपाय लाने के लिए पारित किया था। जबल शिवाकांत शुक्ला (ए.आई.आर. 1976 एस.सी. 1207) ने इस मामले की कड़ी आलोचना की और कहा कि कार्यपालिका द्वारा आपातकाल की घोषणा के बावजूद स्वतंत्रता के अधिकार समेत कुछ मौलिक अधिकार जीवित नहीं रहे। बस उसी फैसले ने न्यायालय के सम्मान को और अधिक नष्ट करने का काम किया। भविष्य की सरकारों द्वारा किए गए संशोधन ने अनुच्छेद 21 के तहत अधिकारों को सुनिश्चित करके मूल स्थिति को बहाल कर दिया।

आपातकाल के दौरान विपक्षी नेताओं की सामूहिक हिरासत को देखते हुए, निवारक नजरबंदी की बुराई से निपटने के लिए संविधान के अनुच्छेद 22 में महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय जोड़े गए (संविधान 44वें संशोधन अधिनियम, 1978 की धारा 3)। उसका पहला अनुभाग यह था कि किसी भी निवारक निरोध अधिनियम के तहत हिरासत की अवधि 3 महीने से घटाकर 2 महीने कर दी गई, दूसरा, स्टोरी बोर्ड ने 2 महीने की समाप्ति से पहले हिरासत की अवधि को 2 महीने से अधिक बढ़ाने के लिए अपनी राय दी और तीसरा, सलाहकार बोर्ड की संरचना को निर्दिष्ट किया गया था ताकि वास्तविक अभ्यास में बाधा डालने वालों के लिए कानून के नियम को सुनिश्चित किया जा सके, ताकि न्याय को दिया ही नहीं जाए बल्कि निवारक नजरबंदी के मामले में ऐसा किया जाए।

हालांकि, धारा 1(2) में प्रावधान है कि संविधान के 44वें संशोधन अधिनियम 1978 के प्रावधान ऐसी तारीख से लागू होंगे, जिसे केंद्र सरकार आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा प्रदान करेगी और इसके लिए अलग–अलग तारीखें नियुक्त की जा सकती हैं। संसद ने केंद्र सरकार को यह विवेकाधिकार दिया कि वह अधिसूचना द्वारा संशोधन को कब लागू करेगी। इंदिरा गांधी एक बार फिर सत्ता में लौटीं और एक नया राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एन.एस.ए.), कानून 1980 बनाया जो वर्तमान तक प्रभावी है। सरकार और राज्य सरकारों को कुछ मामलों में निवारक हिरासत का उपयोग करने के लिए केंद्र अधिकृत करता है। केंद्र और राज्य सरकारें, साथ ही जिला मैजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त, किसी भी व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा सहित विभिन्न राज्य उद्देश्यों के लिए किसी भी तरह से प्रतिकूल कार्य करने से रोकने के लिए उसे हिरासत में लेने का अधिकार रखते हैं। कभी–कभी जब सरकारें विफल हो जाती हैं, तो लोगों को न्यायपालिका से आशा मिलती है, विशेषकर सर्वोच्च न्यायालय से, जिसे भारत में नागरिक स्वतंत्रता की संरक्षकता सौंपी गई है। अगर सरकार जो हर साल 25 जून को काले दिन के रूप में मनाती है, वास्तव में आपातकाल के युग के नुकसान को दूर करने और उन गंभीर गलतियों को नहीं दोहराने के लिए प्रतिबद्ध है, तो उसे आपातकाल की त्रुटियों को फिर से नहीं दोहराना होगा।

श्रम संकल्प और प्रगति

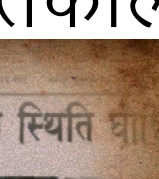

–संजीव ठाकुर–

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैं। जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नावप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज में 3: नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस ओर और ज्यादा विचार–विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी।

मासूम बेटे व पत्नी की धारदार हथियार से हत्या, आरोपी फरार

संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के धानी बाजार कस्बे के कानापार में रिटायर्ड शिक्षक राजेंद्र नाथ मिश्रा का दो मंजिला मकान है। इसमें ऊपरी तल पर उनका बेटा शशिभूषण मिश्रा पत्नी विजय लक्ष्मी 40 व आठ वर्षीय शौर्य उर्फ टुनटुन एक साथ रहते थे। लोगों के अनुसार, पति पत्नी में आए दिन विवाद होता रहता था। रविवार को दिन में दो बजे राजेंद्र नाथ मिश्रा ने बेटे को आवाज लगाया तो कोई जवाब नहीं मिला। वह कुछ देर बाद ऊपर तल गए तो सन्न रह गए। धानी बाजार के कानापार गांव में पिता अपने बेटे व पत्नी की हत्या कर फरार हो गया। धारदार हथियार से गला रेतने की बात कही जा रही है। जानकारी पुलिस को हुई तो तत्काल मौके पर पहुंच कर घटना की जांच में जुट गई।

बृजमनगंज थाना क्षेत्र के धानी बाजार कस्बे के कानापार में रिटायर्ड शिक्षक राजेंद्र नाथ मिश्रा का दो मंजिला मकान है। इसमें ऊपरी तल पर उनका बेटा शशिभूषण मिश्रा पत्नी विजय लक्ष्मी 40 व आठ वर्षीय शौर्य उर्फ टुनटुन एक साथ रहते थे। लोगों के अनुसार, पति पत्नी में आए दिन विवाद होता रहता था। रविवार को दिन में दो बजे राजेंद्र नाथ मिश्रा ने बेटे को आवाज लगाया तो कोई जवाब नहीं मिला। वह कुछ देर बाद ऊपर तल गए तो सन्न रह गए। उन्होंने देखा की जगह जगह खून के छींटे पड़े थे। कमरें में विजयलक्ष्मी व दूसरे कमरे में शौर्य का खून से लथपथ शव देखकर शोर मचाया। तत्काल सूचना पुलिस को दी। बहू व पोते की धारदार हथियार से गला रेता हुआ था। शव के कुछ ही दूरी पर कुल्हाड़ी व कैची का टुकड़ा मिला। दोनों के गले पर कई निशान दिखे। जिसकी जानकारी लोगों को हुई तो क्षेत्र में दहशत फैल गई। थोड़ी ही देर में पूरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। फारेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है। सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा व अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह, सीओ अनिरूद्ध कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना की जांच की जा रही है। हत्या के मामले में घटनास्थल का मौका मुआयना किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम में लगाई गई है।

घर से विवाहिता लापता, नदी में डूबने की आशंका

संवाददाता–महराजगंज। थाना क्षेत्र के गांव सेमरहवा निवासी एक विवाहिता लापता हो गई। महिला के नदी में डूबने की आशंका जताई जा रही है।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, नौतनवा थाना क्षेत्र के गांव सेमरहवा में शनिवार की रात करीब 12 बजे संगीता (25) पत्नी इंद्रजीत राजभर घर से लापता हो गई। चर्चा है कि फोन पर पति–पत्नी में किसी बात को लेकर नोकझोंक हुई थी। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर परिजन जागे तो खोजने लगे, लेकिन पता नहीं चल सका। परिजन आशंका जता रहे हैं कि नदी में डूब गई होगी।

सूचना पाकर मौके पर पहुंचे सीओ जय प्रकाश त्रिपाठी तथा प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय मौके पर जाकर जांच में जुटे हैं। महिला के पिता इंदल निवासी श्यामकाट टोला जसवल थाना सोनौली ने बताया कि दो वर्ष पूर्व शादी हुई थी। उससे एक डेढ़ वर्ष का बेटा शिवांश भी है। महिला की सास शांति ने बताया कि बेटा इंद्रजीत राजभर मुंबई में रहकर मजदूरी करता है।

आठ माह पूर्व वह घर से मुंबई गया है। बहू संगीता शनिवार की रात करीब 12 बजे कहीं चली गई जब पोता शिवांश रोने लगा तो कमरे में जाकर देखा तो बहू घर में नहीं थी। गांव में खोजबीन की लेकिन पता नहीं चला। अड्डा बाजार चौकी प्रभारी भूपेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ रोहिन नदी व जंगल के किनारे तलाश में जुटे हैं, लेकिन अभी तक पता नहीं चल पाया।

सीओ जय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि एक महिला रात लगभग 12 बजे घर से लापता है। रोहिन नदी में डूबने की आशंका पर नदी में तलाश के लिए एनडीआर एफ की टीम बुलाई गई है।

सीमावर्ती इलाके में बुखार के मरीज बढ़े

संवाददाता–बहराइच। नेपाल सीमावर्ती इलाके में बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं। सबसे अधिक नजला, जुकाम, बुखार के मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। चरदा,जमोग, बाबाकुट्टी, बरवलिया इलाके में पिछले हफ्ते से मौसम बदल रहा है। कभी बारिश पड़ जाती है तो कभी चिलचिलाती धूप निकलने से बीमारियां बढ़ने लगी हैं। निजी अस्पतालों सहित सीएचसी में मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं।

ओपीडी में सबसे अधिक नजला, जुकाम, बुखार, टाइफाइड के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। शनिवार को सीएचसी चरदा ने सवा सौ मरीज उपचार के लिए पहुंचे। शहनाज रूरल हेल्थ मिशन अस्पताल में तीन दर्जन बच्चे बुखार से पीड़ित इलाज के लिए आए। यहां के डॉ. जाबिर सिद्दीकी ने बताया कि नौनिहाल बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा के अधीक्षक डॉ. मनु शर्मा का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है। किसी को स्वास्थ्य के प्रति दिक्कत होने पर नजदीक के सरकारी अस्पतालों में संपर्क करें।

चौरसिया समाज ने बिना दहेज के शादी करने का लिया संकल्प

संवाददाता–बलरामपुर। श्रीराम जानकी मंदिर बलुहा में रविवार को चौरसिया समाज की मासिक बैठक आयोजित गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ बीआर चौरसिया ने की। जिसमें दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर चर्चा की गई। वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ बीआर चौरसिया ने कहा कि दहेज एक सामाजिक कुरीति है। इसके कारण गरीब मां बाप को अपनी बेटी की शादी में बहुत बड़ी परेशानी उठानी पड़ती है। धनाभाव के कारण कन्या को सुयोग्य वर नहीं मिल पाता। राजू ने कहा कि शर्त रख कर की गई शादी में अक्सर दंपति जीवन में समस्याएं होती रहती हैं। रामेश्वर ने कहा कि शादी एक पवित्र बंधन है। इसमें दोनों पक्ष के लोगों को भविष्य में खुश रहने के लिए दहेज प्रथा का विरोध करना चाहिए। एआरपी सीमा चौरसिया ने कहा कि हमें बेटियों को भी बेटों के समान शिक्षित व योग्य बनाना चाहिए। क्योंकि शिक्षा दहेज मुक्ति में सहायक होने के साथ–साथ बच्चों में पारिवारिक जीवन जीने की समझ बढ़ाती है। बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने दहेज नामक समाजिक बुराई का मिलकर बहिष्कार करने और दहेज मुक्त शादी करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संजीव चौरसिया, राजन, राधेश्याम, अजय, अनुभव व मानस आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य कैम्प में मरीजों का किया गया परीक्षण, दी दवाएं

संवाददाता–बलरामपुर। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से बाढ़ प्रभावित गांव कटरा में मेडिकल कैम्प लगाकर बाढ पीड़ितों को दवा का वितरण किया जा रहा है। यह जानकारी उतरौला सीएचसी अधीक्षक सीपी सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व डीएम पवन अग्रवाल ने बाढ़ प्रभावित गांव कटरा का दौरा किया था। उस दिन उन्होंने विभाग को इस गांव में स्वस्थ्य कैम्प लगाने का निर्देश दिया था। उनके आदेश पर कटरा गांव में स्वास्थ्य कैम्प लगाकर लोगों को दवाएं वितरित की गईं। स्वास्थ्य कैम्प में डॉ पंकज गुप्ता व डॉ नसरूदीन, फार्मेसिस्ट अहमद, आंख विशेषज्ञ शैलेन्द्र राव, एलटी मुकेश कुमार मौर्य, एएनएम स्वेता, माधुरी यादव, पूजा यादव व एलएचवी लक्ष्मी देवी समेत कई स्वास्थ्य कर्मियों को तैनात किया गया। कैम्प में दस्त, उल्टी, बुखार, सर्दी जुकाम व खजुली आदि बीमारी से पीड़ित मरीजों को दवा दी जा रही है। इसमें रोगी के खून की जांच मौके पर ही कराया जा रहा है। बाढ़ जनित बीमारियों से बचाव के लिए क्लोरीन गोली, ओआर एस पावडर, नाइट्रोजिल का वितरण किया जा रहा है।

संदिग्ध हालात में बालिका का शव सोइया नाले में मिला

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेलटीकरा टोला शोपियां से रात में लापता बालिका का शव रविवार की सुबह सोइया नाले में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी।

जानकारी के अनुसार, गांव के सोइया टोला निवासी रामचंद्र की सात वर्षीय पुत्री प्रिया शनिवार रात में गांव के एक व्यक्ति के घर में जन्मदिन की पार्टी में गई थी। पिता खाना खाकर लौट आए, लेकिन देर रात तक बेटी नहीं लौटी। इससे परिजन परेशान हो गए। रात में ही परिजनों ने आसपास और सोइया नाले की ओर तलाश की, लेकिन कही भी नहीं पता चल सका।

रविवार की सुबह पांच बजे सोइया नाला में शव मिलने की खबर सुनकर परिजन दहाड़े मारकर रोने लगे। मां परमशीला ने बताया कि मेरी तीन पुत्रियां हैं। बड़ी बेटी अनु (16) और सनू (12) व सबसे छोटी बेटी प्रिया थी। वह प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा थी। मजदूरी कर किसी तरह परिवार का पालन पोषण करते हैं। किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं है।

बेटी का एक आंख सूजा हुआ दिख रहा था। पुलिस ने शव को बरामद कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। जहां से शव बरामद हुआ है वह स्थान पीड़ित के घर से महज 200 मीटर पर स्थित है। पनियरा थानाध्यक्ष निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि बालिका का शव पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेजा गया है जब तक रिपोर्ट नहीं आ जाती है। कुछ बताया नहीं जा सकता है।

दिव्या मित्तल बनीं देवरिया की नई डीएम

संवाददाता–देवरिया। जिले के डीएम अखंड प्रताप सिंह का ट्रांसफर कर दिया गया है, उनकी जगह दिव्या मित्तल को नया कड जगह दिया गया है, बता दें कि पिछले 22 दिनों से अखंड प्रताप सिंह के विरुद्ध जिले के अधिवक्ता आंदोलनरत थे और उनके ट्रांसफार्मर के कि मुख्यमंत्री के पास पत्र भी लिखे थे। प्रदेश में हुए ट्रांसफर में देवरिया के कड अखंड प्रताप सिंह भी यहां से हटा दिए गए। बता दें कि इनके विरुद्ध देवरिया के अधिवक्ता बीते 22 दिन से आंदोलनरत थे, उनकी जगह आईएएस दिव्या मित्तल जिले की नई डीएम होंगी। दिव्या मित्तल इसके पहले बस्ती और सोनभद्र की कड रह चुकी हैं।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी एक अधिवक्ता के खेत से चकरोड बनाए जाने की शिकायत लेकर डीएम अखंड प्रताप सिंह के पास 23 दिन पूर्व गए थे। इस दौरान कड और बार अध्यक्ष के बीच कहासुनी हो गई। कड ने बार अध्यक्ष को चेंबर से बाहर निकल जाने को कहा। डीएम के दुर्व्यवहार की जानकारी जैसे ही अन्य अधिवक्ताओं को हुई ।वह आंदोलित हो गए। इसके बाद अधिवक्ताओं ने कड को हटाने की मांग के साथ ही न्यायिक कार्यों से विरत रहकर आंदोलन शुरू कर दिया।

वर्ष 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल अपने कार्यों को लेकर खासी चर्चित रही हैं। बतौर डीएम सोनभद्र में तैनाती के दौरान लहुरियादह जैसे पहाड़ी गांव तक पानी पहुंचाने की योजना को पूरा कराकर सुर्खियां बटोरी। आईआईटी और आईआईएम से पढ़ाई करने के बाद लंदन में नौकरी शुरू की। पति गगनदीप सिंह के साथ विदेश में सर्विस में थीं। वहां जब मन नहीं लगा तो दोनों लोगों ने सिविल सर्विसेज की तैयारी शुरू की और दोनों ने आईएएस में सिलेक्शन भी किया, दोनों यूपी कैडर के आईएएस हैं।

दुकान का ताला तोड़कर नकदी समेत हजारों का सामान चोरी

संवाददाता–महराजगंज। सिंदुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम सभा पतर्रगवा के सुकऊ टोले पर शनिवार देर रात दुकान का ताला तोड़कर चोर नकदी समेत हजारों का सामान उड़ा ले गए। दुकान मालिक मोहन लाल ने सिंदुरिया थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मोहनलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी मकान में ही किराना स्टोर की दुकान है। शनिवार को दुकान बंदकर बगल के मकान में सोने चले गए। देर रात शटर का ताला तोड़कर चोर दुकान में रखी 72000 रुपये व किराने का सामान उड़ा ले गए। ताला तोड़ने में प्रयोग हुई छिनी खाली पड़े मकान में मिली। मंगलसूत्र एवं सोने का माला भी चोर लेकर चले गए। थाना प्रभारी सिंदुरिया दिनेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बच्चों का सर्वांगीण विकास ही विद्यालय का मुख्य उद्देश्य –विकास

संवाददाता–बलरामपुर। सिविल लाइन में संचालित सनबीम्स पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक गतिविधि आधारित प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बच्चों ने गुल्लक सजावट में शामिल होकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रबंध निदेशक विकास सिंह एवं संरक्षिका साधना सिंह की निगरानी में गुल्लक सजावट प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें कक्षा चार से आठवीं तक के बच्चों ने प्रतिभाग किया। इनमें अनमोल, आनंद, अंश, अन्वी, श्रद्धा, रिद्धि, सैफ अली, नुसरत, सोमनाथ, अथर्व, अपूर्व, अनन्या, आयुषी, आयशा व सृष्टि आदि बच्चों ने गुल्लक सजावट प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभाग कर अपना प्रदर्शन दिखाया। प्रतियोगिता में सफल छात्र–छात्राओं को विद्यालय की तरफ से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधक ने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ बच्चों में सांस्कृतिक गतिविधि का विकास होना जरूरी है। यह गतिविधियां छात्रों को सामाजिक बनाने में अहम भूमिका अदा करती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। विद्यालय संरक्षिका साधना सिंह ने बच्चों को प्रोत्साहित कर उनका उत्साह वर्धन किया। कहा कि गुल्लक प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को फिजूल खर्चे से बचाना है। इस मौके पर नीतू, अंजलि, वंदना, नीलम, ऋतु, कोमल, सोनम व रामनरेश आदि का विशेष योगदान रहा है।

ककरदरी गांव के पास सीमा स्तम्भों पर कटान का खतरा

संवाददाता–श्रावस्ती। राप्ती में आई बाढ़ की आफत से राहत मिलने के बाद अब तटवर्ती ग्रामीणों के सामने कटान की मुसीबत सामने आ गई है। ककरदरी गांव के पास राप्ती कटान कर रही है। इससे गांव के साथ ही गांव के पास बने भारत नेपाल सीमा स्तम्भों पर कटान का खतरा बढ़ गया है।

भिनगा तहसील के सरहदी गांव ककरदरी की दूरी जिला मुख्यालय से 35 व हरिहरपुररानी ब्लाक मुख्यालय से 25 किलोमीटर है। इस गांव तक पहुंचने के लिए ठीक से रास्ता तक नहीं है। इस समय गांव के पास बह रही राप्ती नदी में कटान शुरू हो गई। बाढ़ की आफत से छुटकारा मिला तो गांव के लोगों में कटान की दहशत हो गई है। इतना ही नहीं गांव भारत नेपाल सीमा से सटा हुआ है। गांव के पास ही सीमा स्तम्भ लगे हैं जो कटान की जद में आ गए हैं। कटान करती हुई राप्ती गांव की ओर बढ़ रही है। गांव के बाहर लगे सीमा स्तंभ संख्या 640@9 से राप्ती की दूसरी महज एक मीटर रह गई व स्तंभ संख्या 641@ 13 से राप्ती के बीच महज चार मीटर का फासला रह गया है। लेकिन हर साल जिस तेजी के साथ राप्ती कटान करती हुई गांव की ओर बढ़ रही है उससे गांव के लोग चिंतित हैं। इस बार बाढ़ से गांव पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। जिलां पंचायत की तरफ से गांव के बाहर आवागमन के लिए इंटरलाकिंग बनवाई गई थी। बाढ़ में इंटरलाकिंग का आधे से अधिक हिस्सा बह गया है और सड़क अब आधा मीटर चौड़ी बची है। वह भी पूरी तरह से उजड़ चुकी है।

ककरदरी गांव के पास कटान स्थल का मैने खुद निरीक्षण किया है और स्थिति को देखा। एसएसबी से भी इस विषय पर बात हुई है और बाढ़ राहत खंड से भी कहा गया है। कटान को रोकने व सीमा स्तम्भों के बचाव के लिए कार्य कराया जाएगा।

वर्षों से बंद लखनऊ पैसेंजर शीघ्र चलाने की मांग

संवाददाता–गोण्डा। सपा किसान सभा क्षेत्र अध्यक्ष ने वर्षों से बंद पड़ी गोंडा–लखनऊ पैसेंजर ट्रेन रेलवे प्रशासन से शीघ्र चलाने की मांग की है। पैसेंजर ट्रेन के चलने से आम आदमी को कम समय और कम दाम में लखनऊ तक के सफर से राहत मिल सकती है। समाजवादी पार्टी के कटरा विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य वकार खां ने डीआरएम को पत्र लिखकर वर्षो से बंद पड़ी गोंडा लखनऊ पैसेंजर ट्रेन शीघ्र चलाने की मांग की है। सपा नेता ने बताया कि जनपद के गरीब के साथ आम लोगो के लिए यह पैसेंजर ट्रेन लाइफ लाइन साबित हो रही थी। कम दाम में समय से लखनऊ पहुंचकर आदमी शाम को अपने घर वापस आ जाता था। कचहरी स्टेशन से कैथौला, मैजापुर, कस्तूरी और फिर करनैलगंज से होकर चलने वाली पैसेंजर ट्रेन से हजारों यात्री इस ट्रेन से लखनऊ अपनी दवा कराने, व्यापारी वर्ग मॉल खरीदने और और पीड़ित वर्ग कोर्ट कचहरी करने जाते थे। सुबह पहुंचकर अपना कार्य निपटाकर देर शाम तक अपने घर वापस लौट आते थे। पिछले कई सालों से बंद पैसेंजर ट्रेन से आम आदमी को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। सपा नेता ने रेलवे से मांग की है कि आम नागरिकों की समस्या को देखते हुए उनकी सहूलियत के लिए इस ट्रेन को जल्द से चलाया जाए।

पुजारी को बंधक बनाकर दान पेटी लेकर चोर फरार

संवाददाता–महराजगंज। हनुमान मंदिर पर सो रहे पुजारी को चोर बंधक बनाकर मंदिर की दान पेटी लेकर फरार हो गए। सुबह मंदिर से कुछ दूरी पर बागीचे में दानपेटी टूटा मिला। मौके पर पहुंची पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को देर रात करीब 12 बजे नौतनवा थाना क्षेत्र के छपवा पुलिस चौकी से मात्र 200 मीटर की दूरी पर गाडसन कॉलोनी स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के पुजारी राम सेवक सहानी मंदिर पर सो रहे थे। आरोप है कि चोरों ने पुजारी का गला दबाते हुए उनका चेहरा कंबल से ढककर बंधक बना लिया। पुजारी के पास आंख के इलाज के लिए रखे करीब दो हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन, संदूक और मंदिर की दान पेटी लेकर फरार हो गए। रविवार को दान पेटी व कुछ मंदिर का सामान पास के बगीचे में बिखरा मिला। क्षेत्राधिकार नौतनवा जयप्रकाश त्रिपाठी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

सब्जियों की फसलों में पानी भरने से आसमान छू रहे भाव

संवाददाता–बहराइच। इलाके में लगातार हो रही बारिश से सब्जियों के भाव आसमान पर पहुंच गए हैं। जिससे गरीबों की थाली से हरी सब्जियां दूर होने लगी हैं। सब्जियों में आलू 35 से 40 रुपये किलो में बिक रहा है, जबकि भिंडी 80 रुपये, टमाटर,हरी मिर्च, फूलगोभी, परवल 100 रुपये और शिमला मिर्च 250 रुपये किलो में बिक रही है। सीमावर्ती इलाके में जुलाई में झमाझम बारिश हो रही है। खेत खलिहान पानी से लबालब हैं। ऐसे में हरी सब्जियों की फसल लगभग सड़कर नष्ट हो गई है। ऊंचाई के खेत में फसल तो खड़ी है, लेकिन सब्जियों की उत्पादन बेहद कम हो गया है। भिंडी, तोरई, लौकी, बैगन, परवल, टमाटर, धनिया आदि कम मात्रा में निकल रही हैं। यही कारण है कि सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। सब्जी उत्पादक छंगा का कहना है कि अत्यधिक बारिश से फसलें खराब हुई। जिससे मंडी में सब्जियों की आवक कम हो गई और भाव लगातार ऊंचे होते चले जा रहे हैं। सब्जी विक्रेता छंगा व जकी का कहना है कि इस महंगाई में मजदूर और मध्यम वर्ग के अधिकांश लोग भाव तो करने आते हैं, लेकिन बिना सब्जी लिए आगे बढ़ जाते हैं।

तटबंध के किनारे बसे ग्रामीणों को किया गया जागरूक

संवाददाता–महराजगंज। सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत औरहिया में बाढ़ से बचाव को लेकर उप जिलाधिकारी सदर रमेश कुमार की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल लगा। इस दौरान बाढ़ और अन्य आपदाओं से होने वाली जनहानियों को रोकने के प्रति तटबंध के किनारे बसे ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

एसडीएम ने कहा कि आश्रय स्थल, उपलब्ध नाव और नाविकों, आपदा मित्रों, गोताखोरों की सूचना के साथ–साथ गांव की मूलभूत संरचना तथा उपलब्ध संसाधन का विवरण तैयार किया गया है। बाढ़ चौकी पर सभी ग्रामीणों को महत्वपूर्ण अधिकारियों के संपर्क नंबरों से अवगत कराया जा रहा है। राजस्व विभाग की ओर से संभावित बाढ़, अतिवृष्टि, बजपात, सर्पदंश, पानी में डूबने आदि से बचने के बारे में तथा सिंचाई विभाग की ओर से बाढ़ रोधी कार्यों तथा तटबंधों की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। एसडीएम ने कहा कि जिस स्थान पर बंधे की स्थिति नाजुक है, वहां पर बोरियों में बालू भरकर दुरुस्त करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए हैं। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भागीरथी पासवान, परशुराम धर्मेंद्र, गणेश, संजय, सुरेंद्र आदि मौजूद रहे।

प्रतिभा संरक्षण की महिला विंग ने निकाली जागरूकता रैली

संवाददाता–बहराइच। प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास की बहराइच महिला विंग के तत्वावधान में नगर के महराज सिंह इंटर कालेज में पौधारोपण कर जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम का संयोजन प्रदेश अध्यक्ष एकता जायसवाल एवं जिलाध्यक्ष अर्चना मिश्र की टीम ने किया। कालेज परिसर में सागौन के पौधे रोपित किए गए, जिससे कालेज का वातावरण, पर्यावरण के अनुकूल हो तथा सूखने के बाद कालेज में फर्नीचर बनाने के काम आए।

मुख्य अतिथि न्यास के प्रदेश संरक्षक घनश्याम वाजपेई रहे। जागरूकता रैली महाराज सिंह इंटर कालेज से हास्पिटल चौराहा होते हुए महाराज सिंह कालेज पहुंच कर समाप्त हुई। संरक्षक ने कहा कि पृथ्वी का संतुलन दिन–प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा है। इस बार इतनी गर्मी पड़ी कि बहराइच जैसे शहर में लगभग 32000 हजार एसी बिक गई। इतनी संख्या में एसी से पर्यावरण को कितना नुकसान पहुंचा है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। इसलिए अधिक से अधिक पेड़ लगायें और धरती को आग का गोला बनने से बचाएं, अन्यथा हमारा अस्तित्व भी उसी तरह गलकर बह जाएगा जैसे अधिक गर्मी से बर्फ बह जाता है।

प्रदेश अध्यक्ष एकता जायसवाल व जिलाध्यक्ष अर्चना मिश्रा ने कहा कि उनकी विंग आने वाले समय में अनेक प्रकल्प चलाएगी, जिससे बहराइच की बहनों को लाभ मिल सके और वे स्वालम्बी बने। अर्चना मिश्रा, रजनी सक्सेना, रागिनी शुक्ल, मीरा श्रीवास्तव, मीना द्विवेदी, संतोष पांडे, कुसुम श्रीवास्तव, पुष्पा देवी, नंदिनी मिश्रा, आराधना गुप्ता, पूनम गुप्ता, शुभांगी वाजपेई आदि ने संबोधित किया।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र कुमार उपाध्याय, प्रदेश महासचिव ध्रुव कुमार मिश्र, प्रदेश प्रचार प्रमुख अमरनाथ मिश्र, प्रदेश महामंत्री संजय सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अनंतराम निषाद,सुरेश श्रीवास्तव,जितेंद्र वाजपेई, प्रदीप त्रिपाठी,रोहित चौधरी, रिंशू चौधरी, आशीष सिंह,अजय गुप्ता, संजीव शर्मा, सुमुख पाठक, रमेश जायसवाल, देवेन्द्र गुप्ता, नीतीश गुप्ता ज्ञानेंद्र तिवारी, कमलेश यादव, रामनरेश विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

चोरों ने आंगनबाड़ी केंद्र का ताला तोड़ा

संवाददाता–गोण्डा। आंगनबाड़ी केंद्र बाबागंज का ताला शनिवार रात चोरी ने तोड़ दिया। इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री को दी। कौड़िया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेलवा भान के मजरा बाबागंज कौड़िया बाजार में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र पर दो दिन से गर्भवती महिलाओं व नौनिहाल बच्चों को ड्राई राशन का वितरण किया जा रहा है। आंगनबाड़ी केंद्र पर राशन होने की उम्मीद में चोरों ने शनिवार रात उसका ताला तोड़ दिया। परन्तु सामान वितरण हो जाने के कारण चोरों को कोई सामान हाथ नहीं लगा। आसपास के लोगों ने सुबह इसकी जानकारी आंगनबाड़ी कार्यकत्री को दी। प्रभारी आंगनबाड़ी कार्यकत्री कुसुम तिवारी ने इसकी सूचना पुलिस को देते हुए कहा कि आए दिन आंगनवाड़ी केंद्र का ताला टूट जाता है।

जल निकासी की नहीं है व्यवस्था, घरों में भरा बरसात का पानी

संवाददाता–बलरामपुर। नगर पंचायत गैंसड़ी का गठन हुए एक वर्ष से ऊपर हो गया, लेकिन विभिन्न वार्डों की जल निकासी की समस्या ज्यों की तयों बनी हुई है। लगातार हो रही बारिश से नगरवासी नारकीय जीवन जीने को विवश हैं। वार्ड नंबर–13 बाईपास एवं वार्ड नंबर–8 गुरुद्वारा में पिछले आठ दिनों से जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण जल भराव की समस्या बनी हुई है। बीते तीन दिनों में हुई मूसलाधार बारिश से करीब दो दर्जन लोगों को घरों में पानी घुस गया है। रात भर लोग बच्चों को लेकर चारपाई के ऊपर बैठकर रात काटने को मजबूर हैं। हिंदुस्तान टीम ने जब वार्ड का हाल जाना तो पीड़ित लोगों ने रोते हुए अपनी पीड़ा व्यक्त की। मोहम्मद जकी, अनवर अली, मतीउल्लाह, गिरधारी लाल मियां, शहीदुल निशा, कैश, ननके, चिंनकू, चिनगुद, मोबीन, रफीक, जियाउल्लाह, कतीबुल्लाह, मालती, अब्दुल रब, बल्ले, नौशाद आदि लोगों ने बताया कि उनके घर में पानी घुस गया है। जिस कारण खाना बनाने से लेकर रात में सोने तक परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं कलीमं, हनीफ, नसीम, गुड्डू, मोहित, कमालू, लालू मियां, मुस्ताक, रेहान, बब्बू, निबबर, जलील मियां, मुख्तार आदि लोगों के घर चारों तरफ पानी से घिरा हुआ है। करीब एक हफ्ता बीत जाने के बावजूद नगर पंचायत की ओर से जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई। बारिश अगर और हुईतो लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। सभी लोगों ने जल निकासी की व्यवस्था कराए जाने की मांग की है। वहीं नगर में साफ सफाई चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर छिड़काव करने की भी मांग लोगों ने की है। इस सम्बन्ध में अधिशाषी अधिकारी अवनीश सिंह ने बताया कि शीघ्र ही जल निकासी की व्यवस्था कराई जाएगी।

लापता पिकअप चालक की सड़ी हुई लाश को जमीन खोदकर पुलिस ने निकाला

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज जिले के लापता पिकअप चालक का शव आजमगढ़ जिले में बरामद हुआ है। सिर कटी लाश को पुलिस ने बरामद किया। उसका धड़ तो मिला, लेकिन सिर अभी भी गायब है। आजमगढ़ जिले के रौनापार थाना क्षेत्र के रोहुआर गांव निवासी जुमराती के घर से पुलिस ने सिर कटी लाश खोदकर निकलवाई। शव पूरी तरह से सड़ गया था। मौके पर एसपी ग्रामीण ने फोरेंसिक टीम को बुलाया और टीम जांच में जुट गई। धड़ मिलने पर पुलिस सिर की तलाश में जुट गई। लेकिन, वह नहीं मिला।

महराजगंज जिले के श्याम देवरवा थाना क्षेत्र के भलुई गांव निवासी कुलदीप ने 11 जुलाई को जीयनपुर कोतवाली में अपने पिता पिकअप चालक शैलेंद्र सिंह के गायब होने की तहरीर दी। जिसमें उसने बताया कि वह तीन जुलाई से पिकअप सहित गायब हैं। कुलदीप की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद पुलिस विवेचना में जुट गई।

विवेचना के दौरान पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए युवक की निशानदेही पर पुलिस ने रौनापार थाना क्षेत्र के रोहुआर स्थित जुमराती के आवास रविवार की सुबह एसपी ग्रामीण चिराग जैन, सीओ सगड़ी, शुभम तोदी, एसओ रौनापार विजय प्रकाश मौर्य, चौकी प्रभारी लाटघाट जफर खान, थानाध्यक्ष जीयनपुर विवेक पांडेय, एसओजी, सर्विलांस, फोरेंसिक टीम पहुंची।

युवक की निशानदेही पर खोदाई कराकर शव को बरामद किया लेकिन, शव का धड़ तो वहां से मिला पर सिर गायब था। जो शव बरामद हुआ वह पूरी तरह से सड़–गल गया था। पुलिस ने किसी तरह से शव को समेटा। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, उसके निशानदेही पर शव बरामद कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बारात में हुई चाकूबाजी, युवक की मौत, दूसरा गंभीर

संवाददाता–गोरखपुर। शनिवार की रात कोतवाली थानाक्षेत्र के आर्यनगर में घर के पास खड़े होकर बरात देख रहे साथियों को मनबढ़ों ने चाकू घोंप दिया। गंभीर स्थिति में परिजन दोनों को जिला अस्पताल ले गए जहां एक की मृत्यु हो गई, दूसरे को डाक्टर ने बीआरडी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।बरातियों पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाते हुए आक्रोशित भीड़ ने अग्रवाल भवन में घेर लिया। कार्रवाई का भरोसा मिलने पर देर रात लोग शांत हुए। कोतवाली थाना पुलिस की सुरक्षा में शादी हुई।

कोतवाली थानाक्षेत्र के आर्यनगर में सड़क पर खड़े दो युवकों पर कुछ मनबढ़ युवकों ने कहासुनी के बाद चाकू से हमला कर दिया। हमले में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।जिला अस्पताल से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में घटना की वजह सड़क पर हुआ विवाद बताया जा रहा है। हालांकि जिस तरह से यह घटना हुई है, पुलिस इसे युवकों के बीच पुरानी रंजिश भी मानकर जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक अलीनगर कुर्मियान टोला निवासी शिवपूजन का 20 वर्षीय पुत्र रोहित अपने साथी गंगेश चौराहा निवासी शोभित (19) के साथ शनिवार की रात साढ़े 11 बजे के आस–पास अलीनगर में पुरुषोत्तम दास की कोठी के ठीक सामने खड़ा होकर रास्ते से गुजर रही बरात देख रहा था। इस बीच कुछ मनबढ़ आए और वे भी बरात में डांस करने लगे। इन युवकों का रोहित और शोभित से विवाद हो गया। उनके बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि युवकों ने दोनों पर चाकू से हमला कर दिया।

रोहित के पेट में चाकू लगने से उसकी तुरंत मौत हो गई जबकि शोभित को भी गंभीर चोट आई। इस दौरान बरात में भगदड़ मच गई। उधर, हमलावर भी भाग निकले। सूचना के बाद मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस उन्हें जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टर ने रोहित को मृत घोषित कर दिया जबकि शोभित की हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया है।

हमलावर युवक बराती थे या घराती, अभी तक कुछ भी पता नहीं चल पाया था। बरातियों ने हमलावरों के अग्रवाल भवन में भाग कर जाने का आरोप लगाते हुए काफी देर तक अग्रवाल भवन घेरे रखा। हालांकि बाद में पुलिस पहुंची और जांच की। बरातियों का कहना है कि हमलावर कौन थे, उन लोगों को भी कुछ नहीं पता है। उधर, पुलिस भी अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। जिस तरह से दोनों पर हमला किया गया है, वह भी तब जब वे बारात में शामिल नहीं थे, ऐसे में यह भी आशंका है कि कहीं हमलावरों का इन युवकों से कोई पुरानी रंजिश तो नहीं थी। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

रोहित की हत्या और शोभित के घायल होने की खबर के बाद उनके परिवारीजन और मोहल्ले के लोग काफी संख्या में सदर अस्पताल में जुट गए। परिवारीजनों का रो–रो कर बुरा हाल था। रोहित और शोभित दोस्त बताए जा रहे हैं। रोहित शहर के एक हॉस्पिटल में काम करता था। उसके पिता कपड़ा प्रेस करने का काम करते हैं। रोहित तीन भाई है।

एसपी सिटी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि दो युवकों पर चाकू से हमला किया गया है। एक की मौत हो गई है, जबकि दूसरा गंभीर है। दोनों युवक वहीं पास के रहने वाले हैं। घटना क्यों और कैसे हुई है, इसकी जांच की जा रही है। दोनों युवक खुद बरात में शामिल थे या फिर चाकू मारने वाले बरात में शामिल थे, इसकी जांच जारी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

अब राम मंदिर की सुरक्षा को परखेगी एनएसजी की टीम, आतंकी खतरों को देखते हुए हुआ निर्णय

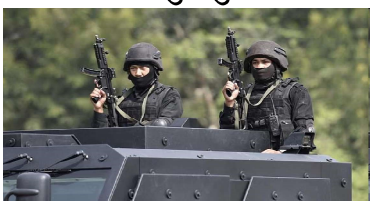

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का हब बनाने की तैयारी है। यहां एनएसजी की टुकड़ी स्थायी रूप से तैनात की जाएगी। इसी क्रम में 17 जुलाई को एनएसजी की एक टुकड़ी अयोध्या पहुंच रही है। वह चार दिनों तक अयोध्या में रहकर राम जन्मभूमि व आस–पास की सुरक्षा परखेगी। यह टीम अयोध्या में 20 जुलाई तक रहेगी। अयोध्या में राममंदिर का निर्माण होने के बाद से आतंकी खतरे की आशंका बढ़ी है। इस प्रकार के खतरों से निपटने की योजना पर केंद्र सरकार काम कर रही है। दरअसल, 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से श्रद्धालुओं की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। हर रोज एक लाख से अधिक श्रद्धालु यहां दर्शन कर रहे हैं। ऐसे में यहां की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाए जाने पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से अयोध्या में एनएसजी का हब बनाने की योजना तैयार की गई है। सूत्रों के अनुसार, एनएसजी हब में ब्लैक कैट कमांडो की तैनाती की जाएगी। इसी क्रम में एनएसजी की टीम 17 अप्रैल को अयोध्या पहुंच रही है। वह पूरे राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा की समीक्षा करेगी। यदि आतंकी हमले होते हैं तो उससे कैसे निपटा जा सकता है, इसको लेकर अधिकारियों के साथ टीम मंथन करेगी। अयोध्या के आस–पास की सुरक्षा की भी समीक्षा की जाएगी। अभी रामनगरी में रामनवमी, सावन, कार्तिक परिक्रमा मेले में एटीएस की तैनाती की जाती है। राममंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी अब एसएसएफ संभाल रही है। इसके अलावा सीआरपीएफ व पीएसी को भी लगाया गया है। एसएसएफ के जवानों को एनएसजी की ओर से ही ट्रेनिंग दी गई है। स्पेशल फोर्स के 200 कमांडो अयोध्या में अभी सुरक्षा दे रहे हैं।

राम मंदिर को हमेशा से ही खतरा रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान भी आतंकी खतरे का अलर्ट आया था। इससे पहले पांच जुलाई 2005 को रामलला जब टेंट में विराजमान थे तब आतंकियों ने हमला भी किया गया। सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के वजह से हमले में शामिल सभी पांच आतंकवादी मार गिराये गए थे। इसके बाद राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई। अब मंदिर बनने के बाद सुरक्षा को लगातार हाईटेक किया जा रहा है।

सरेआम युवक की चाकू से गोदकर हत्या, एनकाउंटर के डर से आरोपी ने किया सरेंडर

संवाददाता–गोरखपुर। महानगर के राजघाट थाना क्षेत्र के तुर्कमानपुर कब्रिस्तान वाली गली में बीच सड़क एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम अजीम था और वहां एक होटल में मैनेजर था। सरेशाम इस हत्या से इलाके में दहशत फैल गई।हत्या की वजह आपसी रंजिश की बात सामने आ रही है, राजघाट पुलिस ने दो व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। शहर में एक युवक की सरेआम चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। शनिवार शाम तुर्कमानपुर कब्रिस्तान वाली गली में एक हिस्ट्रीशीटर ने अपने साथी के साथ उसे दौड़ाया। फिर चाकू से सीने और गले पर कई वार किए।पुलिस को राहगीरों ने फोन कर घटना की जानकारी दी। हत्या के बाद जब पुलिस पहुंची, तब तक हिस्ट्रीशीटर और उसका साथी मौके पर थे। दोनों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजघाट इलाके में रहने वाले अजीम (40) विजय चौक खोया मंडी गली स्थित सन प्लाजा होटल में मैनेजर था। परिवार वालों के मुताबिक, अजीम का तुर्कमानपुर के कबाड़ी शमशेर उर्फ गुड्डू से रुपए को लेकर काफी दिनों से झगड़ा चल रहा था।शनिवार शाम करीब 5.30 बजे अजीम घर से होटल जा रहा था। तभी गुड्डू कबाड़ी और मोहम्मद तारिक ने उसे रोक लिया। गुड्ड्डू ने रुपए चुकाने के लिए कहा। अजीम तैयार नहीं था। इस बात पर दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई और फिर मारपीट होने लगी।

इतने में गुड्डू कबाड़ी और मोहम्मद तारिक ने अजीम पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। गर्दन और सीने पर कई घाव होने से अजीम वहीं गिर पड़ा। इसके बाद भी दोनों हमलावर उस पर चाकुओं से तब तक वार करते रहे, जब तक वह मर नहीं गया। लहूलुहान हालत में होने के बाद गुड्ड्डू कबाड़ी मौके से भागा नहीं। लोगों से इस दौरान तक पुलिस को फोन कर दिया।

दोनों हमलावर पहले से राजघाट थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं। बाइक से दो पुलिस वाले मौके पर पहुंचे तो हमलावरों ने बड़े आराम से सरेंडर कर दिया।एसपी सिटी कृष्णा बिश्नोई ने बताया– दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच में रुपए के लेन–देन का विवाद सामने आया है। परिवार के लोग जो भी तहरीर देंगे, उसी आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

युवक की सिर कटी लाश रेलवे लाइन से बरामद

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाने के मजनू चौकी क्षेत्र के जगतबेला रेलवे स्टेशन के आउटर के पास 20 वर्षीय युवक का सिर कटा शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

जगतबेला रेलवे स्टेशन के आउटर पर ट्रेन ड्राइवर को शनिवार की आधी रात को सिर कटी लाश दिखाई दी। ड्राइवर ने आउटर गेट पर गेटमैन को तत्काल सूचना दी। गेटमैन ने स्टेशन मास्टर को रेलवे लाइन पर सिर कटी लाश होने की सूचना दी। स्टेशन मास्टर की सूचना पर तत्काल मजनू चौकी प्रभारी अपने सहयोगियों के साथ पहुंच गए थे लेकिन मामला जीआरपी का होने के कारण जीआरपी ने अज्ञात युवक की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

युवक की उम्र लगभग 20 वर्ष बताई जा रही है। युवक का रंग गोरा है और शरीर पर काले रंग का टीशर्ट एवं हरे रंग का लोवर पहने हुये था। लोगों को आशंका है कि युवक कहीं बाहर से ट्रेन से यात्रा कर रहा था। ट्रेन कुछ धीमी हुई होगी और उतरने के चक्कर में पहिए के नीचे आ गया होगा। इससे उसका सिर कट गया होगा। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि युवक का सिर ट्रेन के पहिए से कटा है या किसी के द्वारा काटकर पटरी के किनारे रख दिया गया था।

सपा नेता पर असलहा दिखा कर गाड़ी छीनने का आरोप

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र के एक सपा नेता पर पलिया निवासी संतोष मौर्य ने पुलिस को तहरीर देकर असलहे के बल पर जानमाल की धमकी देकर चारपहिया गाड़ी छीनने के प्रयास का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। संतोष मौर्य ने पुलिस को बताया कि वह सुबह 11 बजे के करीब वह अपने मित्र इब्राहिमपुर निवासी विजय कुमार व ओमप्रकाश विश्वकर्मा को अपने निजी कार्य से सुकरौली भेजा था। रास्ते में डुमरी खास चौराहे से पहले ही सपा नेता अपने ही गांव निवासी एक सिपाही के साथ बाइक से आए और उनकी गाड़ी के सामने अपनी गाड़ी खड़ी करके गाड़ी रोक ली। जानमाल का खतरा देख विजय कुमार अपनी जान बचाने के लिए वहां से गाड़ी लेकर भाग निकला। इससे गाड़ी व चालक विजय कुमार सुरक्षित बच गए।

दया याचिका पर जिला जेल से बंदी रिहा

संवाददाता–गोरखपुर। राज्यपाल की ओर से दया याचिका मंजूर किए जाने पर गोरखपुर जेल में सजा काट रहे कैदी केदार यादव को रिहा कर दिया गया। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की ओर से संस्तुति रिपोर्ट डीएम महराजगंज, जेल अधीक्षक गोरखपुर को भेजी गई थी। घरवाले जेल पहुंचे और बंदी को लेकर महराजगंज चले गए।

महराजगंज के पुरैना श्यामदेउरवा निवासी केदार यादव पुत्र रामसुभग तीन दशक पहले हत्या के प्रयास, मारपीट मामले में आरोपित थे। कोर्ट ने उन्हें पांच वर्ष की सजा सुनाई थी। केदार को 16 मार्च 1991 को न्यायालय गोरखपुर ने सजा सुनाई थी। इसपर जमानत कराकर केदार बाहर था। जहां हाईकोर्ट ने सजा बरकार रखते हुए 28 जनवरी 2021 को उसे पुनः जेल भेज दिया, जहां उसने सजा पूरी की। जेल प्रशासन की तरफ से अच्छे आचरण, बीमारी की रिपोर्ट दी गई। राज्यपाल ने दया याचिका स्वीकार कर ली। संस्तुति मिलने के बाद जेल से छोड़ दिया गया।

दया याचिका पर सजा पूरी कर चुके 2 कैदियों ने रिहाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। डीएम कार्यालय की तरफ से दो बंदियों की रिपोर्ट शासन में भेज दी है। इसमें बंदी श्रीपत पुत्र बृजलाल और संतोष बर्नवाल शामिल हैं।

अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि परिसर में नहीं बना वर्ल्ड रिकार्ड, निराश हुए जादूगर

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या रामलला का दर्शन कर अपनी जादुई कला से एक साथ सामूहिक रूप से भगवान ध्वज लहराने की जादूगरों की तमन्ना पर तुषारापात हो गया। जादूगर निराश होकर लौट गए।

अयोध्या राम मंदिर में रामलला का दर्शन कर अपनी जादुई कला से एक साथ सामूहिक रूप से भगवान ध्वज लहराने की जादूगरों की तमन्ना पर तुषारापात हो गया। श्रीरामजन्म भूमि परिसर में आयोजन को लेकर पुलिस प्रशासन ने पहले ही आपत्ति की थी लेकिन परिसर में स्थित यात्री सुविधा केंद्र में आयोजन के लिए सहमति थी। फिर भी आयोजन नहीं हो सका। इस बीच तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय से सम्पर्क करने की कोशिशों के बाद भी उनका समय नहीं मिल सका। इस स्थिति में निराश जादूगर वापस लौट कर मंत्राधं मंडपम में आ गये। इस आयोजन के संयोजक व जादूगर सम्राट के रूप में प्रसिद्ध कुलदीप मिश्र ने बताया कि तीर्थ क्षेत्र महासचिव काफी व्यस्त हैं। इसके कारण परिसर में कोई व्यवस्था ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि अयोध्या की सम्पूर्ण भूमि रामलला की पावन स्थली है, जहां कण–कण में रामलला की सुवास अवगुंठित है। इसलिए यह कार्यक्रम मंत्राधं मंडपम के परिसर में सायं छह बजे किया जाएगा। उधर जादूगरों के जादुई कला के प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध की खबरें फैली थी। इसके बाद नया घाट चौकी प्रभारी विजयंत मिश्र ने कार्यक्रम के बारे मे पूछताछ की थी।

जिन बच्चों के अपहरण का दर्ज था मुकदमा, वे वाराणसी में घूमते मिले

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ एरिया से तीन बच्चे अचानक घर से लापता हो गए। घरवालों ने काफी खोजबीन के बाद अपहरण का केस दर्ज कराया। पुलिस उनकी तलाश कर रही थी कि शनिवार को पता चला कि तीनों वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर घूम रहे हैं। दोस्त को उसकी मां ने डांट दिया तो सगे भाई समेत तीनों घर से निकल गए थे। फिर ट्रेन से वाराणसी पहुंचे थे। घरवाले वाराणसी रवाना हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की शाम पांच बजे घर से खेलने निकले रामनगर के रामप्रीत चौराहे के पास रहने वाले दो सगे भाई मोहन यादव (12), सोहन यादव (8) और पड़ोस में रहने वाला रोशन (8) लापता हो गए। घर वालों हर जगह उनकी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। शनिवार को गोरखनाथ थाने में पूनम पत्नी राजकुमार ने दोपहर ढाई बजे तीनों बच्चों के अपहरण का केस दर्ज कराया।अपहरण की सूचना पर पुलिस सक्रिय हो गई और उनका फोटो लेकर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के आस–पास के कैमरों को खंगालना शुरू कर दिया।

शाम पांच बजे वाराणसी चाइल्ड लाइन से मोहन व सोहन के पिता राजकुमार यादव के पास फोन आया। बताया गया कि उनके बच्चे दशाश्वमेध घाट पर घूमते हुए मिले हैं।वाराणसी की चाइल्ड लाइन टीम ने बताया कि तीनों बच्चे शनिवार की सुबह दशाश्वमेध घाट पर बैठे थे। वहां एक व्यक्ति ने तीनों को भूखा देख खाने के लिए दिया। इसके बाद गंगा नदी में बच्चों को नहलाया था। फिर काशी विश्वनाथ का दर्शन कराकर बच्चों को कैंट स्टेशन पर छोड़ दिया। यहां पर एक व्यक्ति ने बच्चों को जीआरपी को सौंप दिया। इसके बाद बच्चे हमारे पास आ गए। बच्चों से बातचीत कर उनके परिजनों को बुलाया गया है।राजकुमार की पत्नी पूनम का बच्चों के गायब होने के बाद रो–रोकर बुरा हाल हो गया था। जब बच्चों के मिलने की सूचना मिली तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था।

राजघाट में जमीन को लेकर महाभारत

संवाददाता–गोरखपुर। राजघाट इलाके की एक जमीन को लेकर खूब हंगामा हुआ। बताया जा रहा है कि इस जमीन को लेकर समझौते की बात भी चली थी, लेकिन रेट को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। पुलिस ने चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के पदाधिकारी प्रवीण मोदी और सराफा व्यापारी प्रभाकर अग्रवाल के जमीन के कागजात मांगे। चर्चा है कि इस मामले में कई सफेदपोश भी समझौता कराने आगे आए और वर्तमान में भी वे इस केस में पैरवी कर रहे हैं। करोड़ों की इस जमीन पर अब कई लोगों की आंखें गड़ गई हैं। जमीन को विवादित बनाकर वे कम दाम में इसे हथियाना चाह रहे हैं।

मामले से जुड़े दोनों पक्ष जमीन अपनी बता रहे हैं। इसीलिए दोनों पक्षों के पास जमीन को जो भी कागजात है, पुलिस ने उन्हें जमा कराने के लिए कहा है। ताकि नगर निगम में इन कागजातों की जांच हो सके। इस मामले की जांच एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई कर रहे हैं। मामले से जुड़े कई फाइलों की छानबीन भी हुई। दोनों ही पक्ष अपने अपने पैरवीकार के पास पहुंचे और उनसे अपनी पैरवी भी कराई। अपना पक्ष मजबूत करने के लिए जमीन के पुराने कागजात भी दोनों पक्ष जुटा रहे हैं। राजघाट इलाके के पांडे हाता निवासी चौंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के पदाधिकारी प्रवीण मोदी के मकान के पास एक जमीन है, इसको लेकर विवाद हुआ। इस जमीन को प्रवीण और सराफा व्यापारी प्रभाकर अग्रवाल दोनों ही अपना बताते हैं। आरोप है कि सराफा व्यापारी प्रभाकर अपने 20–25 परिचितों के साथ बुलडोजर लेकर विवादित जमीन पर पहुंचे थे। वहां गेट पर लगे ताला को खोलकर अंदर गए। तभी इसकी जानकारी प्रवीण को हो गई। वह वहां पहुंचकर उस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी। वहां पुलिस पहुंचकर काम बंद कराई।

परीक्षा में इतनी मदद करा दूंगा, बन जाओगी टॉपर, कहने वाले शिक्षक बहाल

संवाददाता–गोरखपुर। पांच महीने से निलंबित चल रहे असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ जितेंद्र कुमार को कार्य परिषद की तरफ से बहाल कर दिया गया। फरवरी महीने में एक छात्रा की शिकायत पर इन्हें निलंबित किया गया था। स्नातक की छात्रा ने अपने विभाग के एक असिस्टेंट प्रोफेसर पर आरोप लगाते हुए डीडीयू प्रशासन के साथ ही राज्यपाल, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा, राज्य महिला आयोग से शिकायत की थी। मामले की जांच के दौरान निलंबित कर दिया गया था। कार्य परिषद ने रक्षा अध्ययन के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ जितेन्द्र कुमार को बहाल कर दिया। उन्हें बीते 9 फरवरी को निलंबित कर कुलसचिव कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया था। उन पर स्नातक की छात्रा ने गंभीर आरोप लगाए थे। छात्रा के शिकायती पत्र के मुताबिक, वह प्रायोगिक परीक्षा के लिए फाइल की जांच कराने के लिए विभाग में गई थी। उस दौरान विभाग के एक शिक्षक ने उससे कहा–'मैं परीक्षा में तुम्हारी इतनी मदद कर दूंगा कि कि तुम विभाग की टॉपर भी बन सकती है। जिन छात्राओं ने मुझे खुश रखा है, उनका रिजल्ट पता कर लेना तब मिलना।

मैंने पहले भी तुमसे कई बार कहा है लेकिन तुमने इन पर ध्यान नहीं दिया। ऐसा करके तुम मेरी दुश्मनी मोल ले रही हो।' छात्रा का कहनाथा कि शिक्षक के मुंह से ऐसी बातें सुनकर वह वहां से लौट गई।'न के दौरान वे सहेली के साथ मिलने का दबाव बना रहे थे। उससे पहले भी वे कई बार परेशान कर चुके थे। इसलिए हिम्मत करके उसने सारी बात रिकॉर्ड कर ली। छात्रा के असुसार, अगले दिन जब वह विभाग में पहुंची तो शिक्षक ने उसे यह कहकर अपने चेंबर में बुलाया कि तुम कभी पास नहीं हो पाओगी। तुम्हारा रिजल्ट और जीवन दोनों बर्बाद कर दूंगा। डर के कारण छात्रा और उसकी सहेली चेंबर में गए तो वे गलत तरीके से छूते हुए अश्लील बातें करने लगे। उनके विरोध करने पर वे धमकाने लगे थे। डीडीयू कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने तत्कालीन वक्त शिकायत का संज्ञान लेकर मामले की जांच आईसीसी को सौंप दी थी। इसी आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई थी। शनिवार को कार्य परिषद की बैठक में निलंबन निरस्त कर उन्हें वापस बहाल कर दिया गया।

मुक्ताकाशी मंच का संचालन निजी हाथों में सौंपने की तैयारी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने रामगढ़झील परियोजना में स्थित,'मुक्ताकाशी मंच का संचालन और रखरखाव निजी हाथों में सौंपने की तैयारी है। इसके लिए प्राधिकरण ने रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया है।

प्राधिकरण चयनित फर्म को मुक्ताकाशी मंच (ओपेन एयर थियेटर) 50 हजार रुपये मासिक से अधिक की राशि पर सुबह छह बजे से रात 12 बजे तक निर्धारित गतिविधियों के लिए अनुमति देगा। फर्म को मुक्ताकाशी मंच का आवंटन 10 साल के लिए मिलेगा। बाद में फर्म के कार्यों को देखते हुए पांच साल की अवधि और बढ़ाई जा सकेगी। ई–निविदा की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। इसी दिन तकनीकी निविदा भी खोली जाएगी। जीडीए उपाध्यक्ष, आनंद वर्द्धन ने कहा, रामगढ़झील के निकट स्थित मुक्ताकाशी मंच के सुनियोजित ढंग से संचालन की अपार संभावनाएं हैं। निजी फर्मों के जरिए इन्हें संचालित कर प्राधिकरण न केवल अपनी आय में इजाफा चाहता है, बल्कि सम्पत्ति के बेहतर रखरखाव के साथ महानगरवासियों को नए तरह के अनुभव उपलब्ध कराएगा। प्राधिकरण के मुख्य अभियंता किशन सिंह ने बताया कि सामाजिक जुटान, सांस्कृतिक गतिविधियां, नर्सरी या उससे संबंधित गतिविधियां, फूड कोर्ट, स्थानीय शिल्पकारों, मूर्तिकारों का बाजार, किसान बाजार, खेलकूद संबंधी गतिविधियां, स्पोर्ट्स क्लब, खेल मैदान आदि गतिविधियां करने की अनुमति है। 9700 वर्ग मीटर में बने इस मुक्ताकाशी में 200 लोगों के बैठने की क्षमता का एक ओपेन एयर थियेटर है। यहां 04 ग्रीन रूम, वातानुकूलित दो वीआईपी ग्रीन रूम, महिला और पुरुष के लिए अलग–अलग दो टॉयलेट ब्लाक, 01 पम्प रूम और 01 गार्ड रुम है। रामगढ़ताल परियोजना में मुक्ताकाशी मंच का निर्माण 38 साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह ने कराई थी।

बदहाल मुक्ताकाशी मंच की सुध लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने 22 सितंबर 2018 को शिलान्यास कर नव निर्माण कराया। 03.89 करोड़ रुपये से नए बने मुक्ताकाशी मंच का 16 नवंबर 2019 को लोकार्पित हुआ। लेकिन संस्कृति विभाग इसका कोई उपयोग नहीं कर सका।

चोरी के बुलेट के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा पुलिस ने चोरी की बुलेट के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। सहजनवा पुलिस ने चोरी की बुलेट के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से बुलेट बरामद करने के बाद पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया।

गांजा के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। राजघाट पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से पुलिस ने 5.199 किग्रा गांजा बरामद कर लिया।... राजघाट पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से पुलिस ने 5.199 किग्रा गांजा बरामद कर लिया।

आरोपी की पहचान देवरिया जिले के खामपार थाना क्षेत्र के छपिया मिश्र भंगारी गांव निवासी सुनील कुमार गुप्ता के रूप में हुई। आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजा गया।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com